

## प्रमाण पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री.शिवाजी निंगोजी खड्गकर ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्.(हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबन्ध " डॉ. श्यामसुंदरदास द्वारा संपादित कबीर ग्रंथावली " में अभिव्यक्त कबीर के नारी संबंधी विचारों परे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। श्री.शिवाजी निंगोजी खड्गकर के प्रस्तुत शोध कार्य के बारेमें मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। सम्पूर्ण लघु शोध - प्रबन्ध को आरंभ से अंत तक पढकर ही मैं यह प्रमाण-पत्र दे रहा हूँ।



प्रा.शरद कणवरकर

शोध-निर्देशक

हिन्दी विभाग,

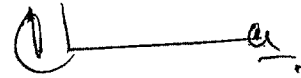
शिवाजी विश्वविद्यालय,

कोल्हापुर।

दिनांक : 30 : 12 : 1993 ।

प्रख्यापन

मैंने 'डॉ. श्यामसुंदरदास द्वारा संपादित 'कबीर ग्रंथावली' में अभिव्यक्त कबीर के नारी संबंधी विचार' लघु शोध-प्रबन्ध प्रा. शरद कणबरकर जी के निर्देशन में शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. (हिन्दी) उपाधि के लिए पूरा किया है। मेरा यह मौखिक शोध-कार्य है। यह लघु शोध-प्रबंध इस विश्वविद्यालय की या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए मैंने प्रस्तुत नहीं किया है।



दिनांक २९:१२:१९९३  
कोल्हापुर।

शोध-छात्र

अ नु क र्म णि का

प्राक्कथन	4 - 8
अध्याय पहला - कबीर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	9 - 30
अध्याय दूसरा - नारी-पुरुष का पारस्परिक संबंध	31 - 75
अध्याय तीसरा - कबीर द्वारा नारी संबंधी व्यक्त विचार	76 - 176
उपसंहार	177 - 184
संदर्भ-ग्रन्थ-सूची	185 - 189